

प्रेषक,  
एन०एन०प्रसाद  
सचिव  
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,  
निदेशक पर्यटन,  
उत्तरांचल, देहरादून ।

पर्यटन अनुभाग:

विषय: दुर्गादेवी एवं भैरव मन्दिर कुनी गाड़ का पर्यटन विकास हेतु धनावंटन  
महोदय,

देहरादून दिनांक 29 मार्च, 2004

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-549/2-6-396/2003-04 दिनांक 24-02-2004 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय जनपद चमोली के दुर्गादेवी एवं भैरव मन्दिर कुनी गाड़ के पर्यटन विकास हेतु रु० 15.00 लाख के आगणनों के सापेक्ष टी०ए०सी० द्वारा परीक्षणोपरान्त संस्तुत रुपये 14.07 लाख (रुपये चौदह लाख सात हजार मात्र) की लागत के आगणनों पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सहित चालू वित्तीय वर्ष 2003-04 में रु० 4.42 लाख (रुपये चार लाख बयालीस हजार मात्र) की धनराशि को डिपोजित के रूप में आहरित कर व्यय करने की स्वीकृति सहर्ष प्रदान करते हैं ।

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि भितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में भितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय भितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देश का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

3- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत /अनुमोदित दरों को जो दरें शिखूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गई है की स्वीकृति नियमानुसार कम से कम अधीक्षण अभियन्ता स्तर के अधिकारी से स्वीकृत करालें ।

4- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय ।

5- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय ।

6- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा ।

7- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताए तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें ।

- 8- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भुगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जायें।
- 9- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृति की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाए।
- 10- निर्माण सामग्री का उपयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय, तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाए।
- 11- यदि स्वीकृत राशि में स्थल विकास कार्य सम्भव न हो तो कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन मानचित्र गठित कर शासन से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी। स्वीकृत राशि से अधिक कदापि व्यय न किया जाय।
- 12- कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण एजेंसी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।
- 13- जिन कार्यों पर द्वितीय किस्त अवमुक्त की जानी है, उनमें व अन्य योजनाओं में भी प्रथम किस्त के रूप में स्वीकृत धनराशि की वित्तीय/ भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किये जाने के उपरांत ही दूसरी किस्त अवमुक्त की जायेगी।
- 14- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31-3-2004 तक उपयोग सुनिश्चित कर लिया जायेगा।
- 15- उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2003-2004 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक -3452-पर्यटन -80-सामान्य-आयोजनागत-104-सम्बर्धन तथा प्रचार-14-पर्यटन विकास की नई योजना-00-42-अन्य व्यय के नामे खाला जायेगा।
- 16 -उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अशा0 सं0-3513/वित्त अनु0-3/2003, दिनांक 27 मार्च, 2004 में प्राप्त उनकी सहमति के आधार पर जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

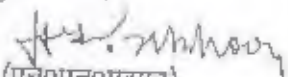
(एन0एन0प्रसाद)  
सचिव

पृष्ठांकन संख्या- 158 -40310/2004-58 पर्य0/2003, तदुदिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, इलाहाबाद।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- जिलाधिकारी, चमोली।
- 4- जिला पर्यटन विकास अधिकारी चमोली।
- 5- वित्त अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।
- 6- निजी सचिव माननीय मुख्य मन्त्री जी।
- 7- निजी सचिव माननीय पर्यटन मन्त्री जी।
- 8- एन0आई0सी0, उत्तरांचल शासन।
- 8- श्री एल0एम0पन्त, अपर सचिव वित्त।
- 10 गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

  
(एन0एन0प्रसाद)  
सचिव।